सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- - इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- - इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- - खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- - खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- - खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- - खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- - प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** [7]

चीन के महान दार्शनिक संत ताओ बू बीन के पास चुंगसिन नामक एक व्यक्ति पहुँचा, उसने उनसे धर्म की शिक्षा देने की प्रार्थना की, संत ताओ बू ने उस व्यक्ति को कुछ समय तक अपने पास रखा और उसे दीन-दुखियों की सेवा में लगा दिया, कुछ समय बाद चुंगसिन ने संतजी से निवेदन किया, "महाराज इतने दिन हो गए, आपने मुझे धर्म की शिक्षा नहीं दी, संत ने कहा, "तेरा तो जीवन ही धर्ममय हो गया है, फिर मैं धर्म के विषय में तुझे क्या बताता? तू अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता है, तुझसे बड़ा धार्मिक कौन होगा?"
चुंगसिन समझ गया, आप भी समझ गए होंगे कि कर्तव्य का पालन ही जीवन में सर्वोपरि है, चाहें तो हम उसे मानव का परम धर्म कह सकते हैं।
हमारे युवा पाठकों में प्रायः प्रत्येक किसी-न-किसी परीक्षा के लिए तैयारी का संकल्प करते है। क्या आप में प्रत्येक को विश्वास है कि वह पूरी निष्ठा के साथ परीक्षा या प्रतियोगिता के संदर्भ में अपने कर्तव्य का पालन कर रहा/रही है? परीक्षा की तैयारी के अतिरिक्त आपके लिए अन्य कोई कार्यक्रम महत्त्व नहीं रखता है, कुछ ऐसे छात्र-छात्राएं देखने में आते हैं जो घर से पढ़ने के लिए कॉलेज आते हैं परन्तु वे कक्षाओं में न जाकर मटरगश्ती करते हैं, अथवा कैण्टीन में बैठकर दोस्तों के साथ बातें करते हैं। तब क्या वे अपने कर्तव्य की अवहेलना, एवं माता-पिता के साथ विश्वासघात नहीं करते हैं? हम चाहते हैं कि हमारे युवा पाठक शांत चित्त से विचार करके देखें कि वे उक्त श्रेणी के अनुत्तरदायी वर्ग के अन्तर्गत तो नहीं आते हैं, परीक्षा एवं प्रतियोगिता में असफल होने के मूल में प्रायः हमारे युवावर्ग द्वारा पूरी तरह से अपने कर्तव्य का पालन न करना होता है, वे यदि अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा के साथ

करें, तो हम पूरी दृढ़ता के साथ कह सकते हैं कि उनकी सफलता की संभावनाएँ कई गुना बढ़ जाएँगी।
कर्तव्य-पालन के संदर्भ में यह नहीं सोचना चाहिए कि यदि सफलता नहीं मिलती है, तो क्या होगा? कर्तव्य-पालन को लक्ष्य करके हमारे मन-मस्तिष्क में एक ही विचार रहना चाहिए कि मैं इसका सम्यक निर्वाह एवं पालन किस प्रकार कर सकता हूँ?

1. ताओ ने चुंगसिन को सबसे बड़ा धार्मिक क्यों कहा? (1)
   (क) क्योंकि चुंगसिन पहले से ही धार्मिक था।
   (ख) क्योंकि चुंगसिन कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता था।
   (ग) क्योंकि चुंगसिन आश्रम का सारा काम करता था।
   (घ) क्योंकि चुंगसिन ताओ की सेवा करता था।
2. कर्तव्य पालन पूरी निष्ठा के साथ करने से सफलता अवश्य प्राप्त होती है, कैसे? (1)
   (क) क्योंकि मन मस्तिष्क में एक ही ध्येय रहता है।
   (ख) क्योंकि हम अधिक प्रयास करते हैं।
   (ग) क्योंकि मन में हार का भय रहता है।
   (घ) क्योंकि मन हमें शक्ति देता रहता है।
3. मानव का परम धर्म किसे कहा गया है? (1)
   (क) दीन-दुखियों की सेवा करना
   (ख) गुरु की सेवा करना
   (ग) माता पिता का आदर करना
   (घ) निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करना
4. कर्तव्य के प्रति निष्ठा व्यक्ति के चरित्र को निरुत्तर कर देती है। उदाहरण द्वारा उत्तर की पुष्टि कीजिए। (2)
5. क्यों कहा गया है कि कुछ विद्यार्थी माता-पिता के साथ छल करते हैं? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** [7]

तिनका तिनका लाकर चिड़िया
रचती है आवास नया।
इसी तरह से रच जाता है
सर्जन का आकाश नया।
मानव और दानव में यूँ तो
भेद नजर नहीं आएगा।
एक पोंछता बहते आँसू
जी भर एक रुलाएगा।
रचने से ही आ पाता है
जीवन में विश्वास नया।
कुछ तो इस धरती पर केवल
खून बहाने आते हैं।

आग बिछाते हैं राहों में
फिर खुद भी जल जाते हैं।
जो होते खुद मिटने वाले
वे रचते हैं इतिहास नया।
मंत्र नाश को पढ़ा करें कुछ
द्वार-द्वार पर जा करके।
फूल खिलाने वाले रहते।
घर -घर फूल खिला करके।

i. नव निर्माण कब सम्भव होता है? (1)
(क) ख़ुद जलकर
(ख) तिनका-तिनका जोड़कर
(ग) राहों में आग बिछा कर
(घ) खून बहाकर

ii. नया इतिहास कौन बनाते हैं? (1)
(क) दूसरों के लिए जीने वाले
(ख) फूल खिलाने वाले माली
(ग) आग लगाने वाले
(घ) घर घर जाने वाले

iii. 'घर-घर फूल खिलाने' का क्या आशय है? (1)
(क) माली का काम करना
(ख) घर में बगीचे लगाना
(ग) सर्वत्र सुख-शन्ति कायम करना
(घ) घर घर पौंधे बाँटना

iv. मानव और दानव के बारे में कवि के क्या विचार हैं? (2)

v. दूसरों के लिए आग बिछाने वालों की क्या दशा होती है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. यह बालगोबिन भगत का संगीत है। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

ii. जब पान के पैसे चुका कर जीप में आ बैठे, तब रवाना हो गए। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर लिखिए और उसका भेद भी लिखिए)

iii. थोड़ी देर में मिठाई की दुकान बढ़ाकर हम लोग घरौंदा बनाते थे। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

iv. फ़सल को एक जगह रखते और उसे पैरों से रौंद डालते। (सरल वाक्य में बदलिए)

v. सीधा-सादा किसान सुभाष पालेकर अपनी नेचुरल फार्मिंग से कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। (मिश्र वाक्य में बदलिए।)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. हमने मैया के आँचल की छाया न छोड़ी। (कर्मवाच्य में)

ii. गुरुजी द्वारा हमारी ख़ूब ख़बर ली गई। (कर्तृवाच्य में)

iii. जवाब नहीं दिया। (कर्मवाच्य में)

iv. लड़का नहीं हँसा। (भाववाच्य में)

v. कूजन कुंज में आसपास के पक्षी संगीत का अभ्यास करते हैं। (कर्मवाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. मूर्ति के चेहरे पर चश्मा न था।

ii. धीरे से पानवाले से पूछा।

iii. पत्थर से पारदर्शी चश्मा कैसे बनता !

iv. हमने उन्हें क्रोध में कभी नहीं देखा।

v. मानव सभ्य तभी है जब वह युद्ध से शांति की ओर आगे बढ़े।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. कुसुम-वैभव में लता समान।

ii. खंजरीर नहीं लखि परत कुछ दिन साँची बात।
बाल द्रगन सम हीन को करन मनो तप जात।।

iii. इस सोते संसार बीच, जग कर सजकर रजनी बाले।

iv. हनुमान की पूंछ में लगन न पायी आगि।
सगरी लंका जल गई, गये निसाचर भागि।

v. है वसुंधरा बिखेर देती मोती सबके सोने पर।
रवि बटोर लेता है उसको सदा सवेरा होने पर।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच

नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले आते कि लोगों को कुतूहल होता!- कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते- जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(i) बालगोबिन भगत किसका आदेश मानते थे?

i. गाँववालों का
ii. पतोहू का
iii. मठ का
iv. कबीर का

क) विकल्प (i)	ख) विकल्प (ii)
ग) विकल्प (iv)	घ) विकल्प (iii)

(ii) निम्न में बालगोबिन भगत की विशेषता है-

क) सभी विकल्प सही हैं	ख) खरा व्यवहार रखते
ग) किसी से दो टूक बात करते	घ) झूठ नहीं बोलते

(iii) बालगोबिन भगत अपने खेत का उपज देते थे-

क) गाँव में बाँट देते थे	ख) कबीरपंथी मठ को
ग) अपनी बहू को	घ) अपने बेटे को

(iv) बालगोबिन भगत साहब मानते थे-

क) संत कबीर को	ख) लेखक को
ग) अपने बेटे को	घ) अपनी बहू को

(v) बालगोबिन भगत थे-

क) गृहस्थ	ख) उपरोक्त सभी
ग) कबीर के उपासक	घ) किसान

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कस्बे से गुज़रते हुए हालदार साहब सदा चौराहे पर क्यों रुकते थे? दो कारण लिखिए। **[2]**

www.yashwantclasses.in

(ii) **एक कहानी यह भी** से लिया गया निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका। - यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों? [2]

(iii) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंतत: सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है? [2]

(iv) वास्तविक अर्थों में **संस्कृत व्यक्ति** किसे कहा जा सकता है? [2]

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ , मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की।

(i) कवि के जीवन की विडंबना क्या है?

क) जीवन का सरल होना
ख) मित्रो द्वारा आत्मकथा लिखने को कहना
ग) मित्रों द्वारा धोखा दिया जाना
घ) जीवन का दुखी होना

(ii) कवि को किस कारण धोखे मिले?

क) अपने सरल स्वभाव के कारण
ख) अपने कठिन स्वभाव के कारण
ग) मित्रों के भोलेपन के कारण
घ) मित्रों के सरल स्वभाव के कारण

(iii) कवि ने अपनी प्रेयसी के साथ बिताए हुए पलों को किसके समान बताया है?

क) प्रवंचना के
ख) उज्जवल गाथा के
ग) खिलखिलाकर हंसने के
घ) विडंबना के

(iv) कवि के जीवन जीने का एकमात्र सहारा क्या है?

क) प्रेयसी के साथ बिताए हुए मधुर पल
ख) मित्रों से मिला हुआ धोखा
ग) आत्मकथा लिखना
घ) मित्रों के साथ बिताए हुए मधुर पल

(v) पद्यांश के कवि हैं-

क) महादेवी वर्मा　　　　ख) सूरदास

ग) तुलसीदास　　　　घ) जयशंकर प्रसाद

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) **उत्साह** कविता में कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कहता है? बादल से कवि की अन्य अपेक्षाएँ क्या हैं? **[2]**

(ii) शेफालिका के फूल झरने का भाव **यह दंतुरित मुसकान** कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iii) गायक सरगम को लाँघकर कहाँ चला जाता है? वह वापस कैसे आता है? **[2]**

(iv) गोपियों का मन किसने चलते समय चुरा लिया था? अब वे क्या चाहती हैं? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

(i) **माता का अँचल** पाठ के आधार पर बाल-मनोविज्ञान पर टिप्पणी कीजिए। **[4]**

(ii) **मैं क्यों लिखता हूँ?** हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग क्यों कहा जाता है? **[4]**

(iii) प्राकृतिक सौन्दर्य के अलौकिक दृश्यों में डूबकर मनुष्य अपनी परेशानियाँ भूल जाता है। 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

(i) **स्वच्छता आंदोलन** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- क्यों
- बदलाव
- हमारा उत्तरदायित्व

(ii) **आत्मनिर्भरता** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

(iii) **लोकतंत्र और चुनाव** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- लोकतंत्र से तात्पर्य
- चुनाव का महत्त्व
- सही प्रतिनिधि के चुनाव से लोकतंत्र की रक्षा

13. आप सायरा/आसिफ हैं। **यातायात-जाम** से छुटकारा पाने के सुझाव देते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। [5]

अथवा

पिछली कक्षा में आपने अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इसके लिए आपको विद्यालय के वार्षिकोत्सव में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाना है। इस अवसर पर आपकी माता जी उपस्थित रहें। माता जी को बुलाने के लिए पत्र लिखिए।

14. सुविधा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा० लिमिटेड जालंधर पंजाब को मार्केटिंग एक्जक्यूटिव पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। [5]

अथवा

आप कोल्हापुर, महाराष्ट्र के निवासी मिलिंद/भुवी हैं। आपके एक परिचित ने आपको दिल्ली से एक पार्सल भेजा जो 25 दिनों बाद भी नहीं मिला। आप कूरियर कंपनी को ईमेल लिखकर शिकायत करते हुए उचित कार्यवाही करने की चेतावनी दीजिए।

15. किसी शीतल पेय की बिक्री बढ़ाने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (25-50 शब्दों में). [4]

अथवा

गुड़ी पड़वा के अवसर पर महाराष्ट्र निवासी अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

www.yashwantclasses.in

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) क्योंकि चुंगसिन अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता था इसलिए ताओ ने उसे सबसे बड़ा धार्मिक कहा।
   2. (क) कर्तव्य पालन पूरी निष्ठा के साथ करने से व्यक्ति को सफलता अवश्य मिलती है क्योंकि मन मस्तिष्क में एक ही ध्येय रहता है।
   3. (घ) मानव का परम धर्म है-निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करना।
   4. कर्तव्य के प्रति निष्ठा व्यक्ति और उसके चरित्र को महान बनाती है। चुंगसिन ने निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन किया इसलिए उसे महान धार्मिक कहा गया।
   5. कुछ विद्यार्थी घर से पढ़ने के लिए कॉलेज आते हैं पर कक्षाओं में न जाकर वे मटरगश्ती करते हैं और इस प्रकार अपने माता-पिता के साथ छल करते हैं।
2. i. (ख) जब हम तिनका-तिनका जोड़कर सर्जन करते हैं तब नव निर्माण सम्भव हो पाता है।
   ii. (क) जो दूसरों का आँसू पोंछ आत्म-विश्वास पैदा कर स्वंय का आत्म बलिदान कर घर - घर फूल खिलाते रहते हैं |वे ही नया इतिहास रच पाते हैं।
   iii. (ग) घर-घर फूल खिलाने का आशय है सर्वत्र सुख-शन्ति कायम करना, दूसरों के कष्ट को दूर कर सभी को सुख व् सहायता प्रदान करना है ।
   iv. मानव और दानव के बारे में कवि का विचार यह है किदोनों में भेद नजर नहीं आता। वे एक समान लगते हैं। इनमें केवल कर्मों का अन्तर होता है। मानव के कर्म अच्छे व आँसू पोछने वाले होते हैं जबकि दानव के कर्म बुरे होते हैं। वह विध्वंश करता है |
   v. दूसरों के लिए आग बिछाने वाले खुद उसमें जल जाते हैं |

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. यह वाक्य **सरल वाक्य** है।
   ii. **आश्रित उपवाक्य:** जब पान के पैसे चुका कर जीप में आ बैठे
   आश्रित उपवाक्य का भेद: क्रियाविशेषण उपवाक्य
   iii. **मिश्र वाक्य:** जब हम लोग मिठाई की दुकान बढ़ा देते थे, तब घरौंदा बनाते थे।
   iv. **सरल वाक्य:** फसल को एक जगह रखकर पैरों से रौंद डालते।
   v. सुभाष पालेकर सीधा-सादा किसान है जो अपनी नेचुरल फार्मिंग से कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। (मिश्र वाक्य)
4. i. हमसे मैया के आँचल की छाया न छोड़ी गई।
   ii. गुरूजी ने हमारी खूब खबर ली।
   iii. जवाब नहीं दिया गया।
   iv. लड़के से नहीं हँसा गया।
   v. कुंजन कुंज में आसपास के पक्षियों द्वारा संगीत का अभ्यास किया जाता है। (कर्म वाच्य)
5. i. **मूर्ति:** संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ii. **धीरे:** क्रिया विशेषण, रीतिवाचक
से: संबंधबोधक अव्यय
iii. **पत्थर:** संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
से: संबंधबोधक अव्यय
iv. **हमने:** सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, कर्ता कारक
v. **मानव-** संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन.
जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

6. i. उपमा अलंकार
ii. उत्प्रेक्षा अलंकार
iii. मानवीकरण अलंकार
iv. अतिश्योक्ति अलंकार
v. मानवीकरण अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले आते कि लोगों को कुतूहल होता!- कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते- जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(i) **(ग)** विकल्प (iv)
व्याख्या:
विकल्प (iv)

(ii) **(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(ख)** कबीरपंथी मठ को
व्याख्या:
कबीरपंथी मठ को

(iv) **(क)** संत कबीर को
व्याख्या:

संत कबीर को

(v) **(ख)** उपरोक्त सभी

व्याख्या:

सभी विकल्प सही हैं

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) हालदार साहब चौराहे पर दो मुख्य कारणों से रुकते थे:

i. **स्थानीय गतिविधियों की निगरानी**: चौराहा कस्बे का केंद्र होने के कारण, यहाँ हर प्रकार की गतिविधियाँ होती थीं। हालदार साहब वहाँ रुककर लोगों के हालचाल और कस्बे की गतिविधियों पर नजर रखते थे।

ii. **सामाजिक मेल-जोल**: चौराहे पर रुकने से उन्हें स्थानीय लोगों से मिलना-जुलना और बातचीत करने का अवसर मिलता था। यह उनके लिए सामाजिक संपर्क का एक महत्वपूर्ण माध्यम था, जिससे वे अपने समुदाय से जुड़े रहते थे।

(ii) एक कहानी यह भी से लिया गया यह कथन माँ के बारे में कहा गया है। इस कथन का तात्पर्य है कि माँ की अपनी कोई व्यक्तिगत पहचान या व्यक्तित्व नहीं था; वह पिता की हर आज्ञा और बच्चों की हर ज़िद को अपना फर्ज मानकर स्वीकार करती थीं। उनकी असीमित सहिष्णुता और त्याग की प्रवृत्ति, साथ ही अधिकारों के प्रति जागरूकता का अभाव, उन्हें आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने में विफल रहा।

(iii)नवाब साहब द्वारा दिए गए खीरा खाने के प्रस्ताव को लेखक ने अस्वीकृत कर दिया। खीरा खाने की इच्छा तथा सामने वाले यात्री के सामने अपनी झूठी साख बनाए रखने की उलझन में नवाब साहब ने खीरा खाने की सोची परन्तु उसे तुच्छ दिखाने के इरादे से नवाब साहब ने खीरा यत्नपूर्वक काटा और सूँघ कर ही उसका स्वाद लेते हुए उसकी एक-एक फाँक को खिड़की से बाहर फेंक दिया ।नवाब के इस कार्य से ऐसा प्रतीत होता है कि वे प्रदर्शनवादी प्रवृत्ति के थे और नजाकत ,नफासत दिखाने के लिए कुछ भी कर सकते थे..

(iv)ऐसा व्यक्ति जो अपनी योग्यता और बुद्धि के आधार पर नए तथ्य की खोज करता है, नए सिद्धांत स्थापित करता है, उसके बावजूद भी वह स्वभाव से साधारण एवं विनम्र रहता है संस्कृत व्यक्ति कहलाता है।

उदाहरण के तौर पर देखें तो महानतम वैज्ञानिक न्यूटन ने अपने बुद्धि का उपयोग कर भौतिकी के सबसे मूल नियम जिसे गुरुत्वाकर्षण का नियम कहते हैं को भौतिकी में प्रतिस्थापित किया। इसी कारण उन्हें संस्कृत व्यक्ति कहना उचित होगा। ऐसे व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनमें विशिष्ट गुण होते हैं, जो बहुत प्रतिभाशाली होते हैं, विनम्र होते हों, साधारण होते हैं, दुनिया एवं समाज को एक बेहतर नजरिये से वे देख पाते हैं एवं उसे समझने की कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्ति संस्कृत व्यक्ति कहलाते हैं।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ , मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की।

(i) **(ख)** मित्रो द्वारा आत्मकथा लिखने को कहना

व्याख्या:

मित्रो द्वारा आत्मकथा लिखने को कहना

(ii) **(क)** अपने सरल स्वभाव के कारण

व्याख्या:

अपने सरल स्वभाव के कारण

(iii) **(ख)** उज्जवल गाथा के

व्याख्या:

उज्जवल गाथा के

(iv) **(क)** प्रेयसी के साथ बिताए हुए मधुर पल

व्याख्या:

प्रेयसी के साथ बिताए हुए मधुर पल

(v) **(घ)** जयशंकर प्रसाद

व्याख्या:

जयशंकर प्रसाद

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) उत्साह कविता में कवि बादल को गरजने के लिए कहता है क्योंकि कवि बादल के गरजने से लोगों में उत्साह जगाकर क्रांति लाने के लिए प्रेरित करना चाह रहा है। इसके साथ ही कवि बादल से प्यासे-शोषित-पीड़ित जन की आकांक्षाएँ पूरी करने की अपेक्षा करता है।

(ii) उस छोटे दंतुरित बच्चे का ऐसा मनोरम रूप था कि चाहे कोई कितना भी कठोर क्यों न रहा हो पर उसे देख मन ही मन प्रसन्नता से भर उठता था। चाहें बाँस के समान हो या कांटों भरे कीकर के समान, पर उसकी सुदंरता से प्रभावित हो वह उसकी ओर देख मुस्कराने के लिए विवश हो जाता था। शेफालिका के फूल झरने का भाव है कि जब बालक के अंगों से स्पर्श हुआ तो उसे ऐसी अनुभूति हुई मानो उस पर शेफालिका के कोमल फूलों की वर्षा हो गई हो।

(iii) गायक सरगम को लाँधकर अनहद में चला जाता है, वह असीम आनन्द- ब्रम्हानंद में डूब जाता है। तब संगतकार मुख्या गायक को सहारा देकर स्थायी रूप देता है, तब मुख्य गायक वापस लौट आता है।

(iv) गोपियों का मन श्रीकृष्ण ने ब्रज से चलते समय चुरा लिया था। उनका मन उनके वश में नहीं रहा क्योंकि उनका मन तो श्री कृष्ण चुरा कर मथुरा ले गए हैं और अब भी अपने मन और चोरी करने वाले दोनों की याद में जल रही है। अब उन्हें कृष्ण से बहुत ही घनिष्ट प्रेम हो गया।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बालक का जुड़ाव अपनी माता से अधिक होता है। माता से बच्चे का ममत्व का रिश्ता होता है। वह चाहे अपने पिता से कितना भी प्रेम करता हो या पिता अपने बच्चे को कितना भी प्रेम देता हो, पर जो आत्मीय सुख माँ की छाया में या माँ के आंचल तले प्राप्त होता है, वह पिता से शायद प्राप्त नहीं होता। क्योंकि माँ अपने बच्चों से निस्वार्थ प्रेम करती है।

(ii) हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ विज्ञान ने विध्वसंक की भूमिका निभाई थी। विज्ञान को निर्माण करने वाले के रूप में जितना सशक्त माना जा सकता है उससे भी विकराल रूप उसका हिरोशिमा में दृष्टिगत हुआ जब वह विनाशकारी बना। यह मानव द्वारा उसका दुरुपयोग ही था।

(iii) प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका मौन भाव से शांत हो, किसी ऋषि की भाँति सारे परिदृश्य को अपने भीतर भर लेना चाहती थी। वह कभी आसमान छूते पर्वतों के शिखर देखती तो कभी ऊपर से दूध की धार की तरह झर-झर गिरते प्रपातों को, तो कभी नीचे चिकने-चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठला-इठला कर बहती चाँदी की तरह कौंध मारती बनी-ठनी तिस्ता नदी को, नदी का सौंदर्य पराकाष्ठा पर था। इतनी खूबसूरत नदी लेखिका ने पहली बार देखी थी वह इसी कारण रोमांचित हो चिड़िया के पंखों की तरह हल्की थी। शिखरों के भी शिखर से गिरता फेन उगलता झरना 'सेवने सिस्टर्स वाटर फॉल' मन को आल्हादित कर रहा था। लेखिका ने जैसे ही झरने की बहती जलधारा में पाँव डुबोया वह भीतर तक भीग गई और उसका मन काव्यमय हो उठा। जीवन की अनंतता का प्रतीक वह झरना जीवन की शक्ति का अहसास दिला रहा था। सामने उठती धुंध तथा ऊपर मंडराते बादल लेखिका को और अधिक सम्मोहित कर रहे थे। नीचे बिखरे भारी भरकम पत्थरों पर बैठ झरने के संगीत के साथ ही आत्मा का संगीत सुनने लगी । पर्वतीय स्थलों का अनंत सौंदर्य का ऐसा अद्‌भुत और काव्यात्मक सौंदर्य लेखिका ने अपनी आंखों से निहारा। लेखिका ने कटाओ पहुँचकर बर्फ से ढूँके पहाड़ देखे जिन पर साबुन के झाग की तरह सभी ओर बर्फ गिरी हुई थी। पहाड़ चाँदी की तरह चमक रहे थे। कहीं पर पहाड़ चटक हरे रंग का मोटा कालीन लपेटे हुए तो कहीं हल्का पीलापन लिए हुए प्रतीत होता है । वहां फूलों से भरी घाटियां है ।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है, जो भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। यह एक बड़ा आंदोलन है, जिसके तहत भारत को पूर्णतः स्वच्छ बनाना है। इसमें स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए महात्मा गाँधी के भारत के सपने को आगे बढ़ाया गया है। इस मिशन को 2 अक्टूबर, 2014 को बापू के 145वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आरम्भ किया गया और 2 अक्टूबर 2019; बापू के 150वें जन्म दिवस तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गाँधी के द्वारा देखा गया था जिसके संदर्भ में गाँधीजी ने कहा था कि "स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी है।" स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्व्यापी सफाई अभियान के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई मुहिम है। यह अभियान स्वच्छ भारत की कल्पना की

दृष्टि से लागू किया गया है। भारत को एक स्वच्छ देश बनाना महात्मा गाँधी का सपना था। इस मिशन का उद्देश्य सफाई व्यवस्था की समस्या का समाधान निकालना, साथ ही सभी को स्वच्छता की सुविधा के निर्माण द्वारा पूरे भारत में बेहतर मल प्रबंधन करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रहनी चाहिए। भौतिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिए भारत के लोगों में इसका एहसास होना बहुत आवश्यक है। यह सही मायनों में भारत की सामाजिक स्थिति को बढ़ावा देने के लिए है, जो हर तरफ स्वच्छता लाने से शुरू किया जा सकता है। नगर निगम के कचरे का पुनर्चक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन, वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना मुख्य उद्देश्य हैं। खुद के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगों की सोच और स्वभाव में परिवर्तन लाना और स्वास्थ्यकर साफ-सफाई की प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है।

(ii) आत्मनिर्भरता का अर्थ है-स्वयं पर निर्भर होना। अपनी शक्तियों के बल पर व्यक्ति सदा स्वतन्त्र तथा सुखी जीवन जीता है। ईश्वर भी उसी की सहायता करता है, जो अपनी सहायता अर्थात् अपना कार्य स्वयं करते हैं। इसके विपरीत जिन लोगों को दूसरों का आश्रय लेने की आदत पड़ जाती है, वे उन लोगों और आदतों के गुलाम बन जाते हैं। उनके भीतर सोई हुई शक्तियाँ मर जाती हैं। उनका आत्मविश्वास घटने लगता है। संकट के क्षण में ऐसे पराधीन व्यक्ति झट से घुटने टेकने को विवश हो जाते हैं। जिन्हें छड़ी से चलने का अभ्यास हो जाता है, उनकी टाँगों की शक्ति कम होने लगती है। इसलिए अन्य लोगों की बैसाखियों को छोड़कर अपने ही बल-बूते पैर मजबूत करने चाहिए, क्योंकि संकट के क्षण में बैसाखियाँ काम नहीं आती। वहाँ अपनी शक्तियाँ, अपना रुधिर काम आता है। आत्मनिर्भर व्यक्ति ही नये-नये कार्य सम्पन्न करने की हिम्मत कर सकता है। वह विश्वासपूर्वक अपना तथा समाज का भला कर सकता है। वही स्वयं को स्वतन्त्र अनुभव करता है तथा गौरव से जी सकता है। आत्मनिर्भर व्यक्ति ही स्वाभिमान से जी पाता है। जब तक हम दूसरों के सहारे पर टिके हैं तब तक हमें सम्मान नहीं मिल सकता।

(iii) 'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

13. सेवा में,

श्रीमान संपादक महोदय,

नया सवेरा, रायपुर (छ.ग.)।
विषय- यातायात-जाम से छुटकारा पाने के सुझाव हेतु पत्र।
महाशय,
मेरा नाम आसिफ़ है। मैं रायपुर (छ.ग.) का रहने वाला हूँ। सादर निवेदन यह है कि इन दिनों रायपुर में सड़क दुर्घटनाओं की अधिकता हो गई है। वाहन चालक यातायात के नियमों का ख़ूब उल्लंघन कर रहे हैं। बिना हैलमेट के स्कूटर चलाना, दो के स्थान पर चार-चार लोगों को बिठाना, लाल बत्ती होते हुए भी नहीं रुकना इत्यादि घटनाओं के बावजूद भी यातायात पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। मैं एक ज़िम्मेदार नागरिक का फ़र्ज़ निभाते हुए आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से यातायात-जाम से छुटकारा पाने के कुछ सुझाव देना चाहता हूं।
मेरा मानना है कि सतर्कता ज़रूरी है। बिना स्वार्थ के चालान काटे जाएँ, प्यार वह सख़्ती दोनों से काम लिया जा सकता है। यदि पुलिस प्रशासन चाहे तो यह समस्या जल्द ही दूर हो सकती है। यदि विभाग में पुलिस कर्मियों की कमी है, तो कॉलेज के युवाओं को अपने साथ जोड़ा जा सकता है। इससे लोगों पर प्रभाव भी पड़ेगा और युवाओं में सही राह पर चलने का जोश भी आएगा। 'यातायात जागरूकता सप्ताह' शुरू करने से भी इस दिशा में बहुत बदलाव आ सकता है। ऐसा करने से लोग यातायात के नियमों से परिचित हो सकेंगे।
अतः मुझे विश्वास है कि आप अपने समाचार पत्र में मेरे सुझाव रूपी पत्र को प्रकाशित कर लोगों का ध्यान यातायात नियमों की तरफ़ खींचने का उल्लेखनीय व सराहनीय काम करेंगे। ताकि यातायात संबंधी दुर्घटनाओं से काफ़ी हद तक बचा जा सके। इस कार्य हेतु मैं सदा आपका आभारी रहूंगा।
सधन्यवाद!
भवदीय
आसिफ़
रायपुर (छ.ग.)
5 जून, 2024

अथवा

गोविन्द छात्रावास,
गौतम नगर, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
पूज्या माता जी,
सादर चरणस्पर्श।
आपका भेजा पत्र मिला। पढ़कर सब समाचार पता चला।
माँ, आपके ही मार्ग निर्देशन में गत वर्ष मैंने परीक्षा की तैयारी की थी और प्रथम स्थान प्राप्त किया। अच्छा परीक्षा परिणाम लाने के लिए मुझे विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर सम्मानित एवं पुरस्कृत करने का निर्णय विद्यालय द्वारा लिया गया है। मैं चाहता हूँ कि इस अवसर पर आप भी वार्षिकोत्सव में उपस्थित रहो। इसी संबंध में सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरे विद्यालय का वार्षिकोत्सव 15 मार्च को मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में उपशिक्षा निदेशक महोदय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। माँ, मैं चाहता हूँ कि यह पुरस्कार तुम्हारी आँखों के सामने ग्रहण करूँ। इस अवसर पर पुरस्कार के साथ-साथ मुझे आपके पावन आशीर्वाद की आवश्यकता है। तुम्हारे हाथों का प्यार

भरा स्पर्श पाकर मैं स्वयं को धन्य महसूस करता हूँ। आप अपने आने की सूचना पत्र में लिखना, ताकि मैं आपको स्टेशन पर लेने आ सकूँ। मैं आपके आने की बेचैनी से प्रतीक्षा करूंगा। शेष सब ठीक है।

पूज्य पिता जी को चरण स्पर्श कहना।

आपका प्रिय पुत्र,

राहुल

14. प्रति,

प्रबंधक

सुविधा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा० लिमिटेड

जालधर पंजाब।

विषय- मार्केटिंग एक्जक्यूटिव पद के लिए आवेदन-पत्र।

महोदय,

चंडीगढ़ से प्रकाशित दिनांक 05 मई, 20xx के पंजाब केसरी समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि सुविधा इलेक्ट्रॉनिक्स को कुछ मार्केटिंग एक्जक्यूटिव की आवश्यकता है स्वयं को इस पद के योग्य समझते हुए मैं अपना आवेदन-पत्र प्रेषित कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

नाम - गौरव सैनी

पिता का नाम - श्री सौरभ सिंह सैनी

जन्मतिथि - 10 जुलाई, 1992

पता - बी/25, राजा गार्डन, दिल्ली।

शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2006	62%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2008	73%
बी.बी.ए.	पंजाब टेक्नीकल विश्वविद्यालय	2011	70%
एम.बी.ए.	पंजाब विश्वविद्यालय	2013	73%

अनुभव- फेना डिटर्जेंट कंपनी में एक वर्ष का अनुभव।

आशा है कि आप सेवा का अवसर प्रदान कर कृतार्थ करेंगे।

धन्यवाद

गौरव सैनी

हस्ताक्षर ......

संलग्न- शैक्षणिक तथा प्रशिक्षण संबंधी प्रपत्रों की छाया प्रति।

अथवा

From: Milind55@gmail.com

To: Shelarcouriercompany@gmail.com

विषय - पार्सल न पहुँचने हेतु शिकायत।

महोदय,

मेरा नाम मिलिंद है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का निवासी हूँ। मेरे लिए दिल्ली से एक पार्सल आपकी

कंपनी के माध्यम से भेजा था, लेकिन 25 दिनों से अधिक का समय हो गया है और मुझे अभी तक पार्सल नहीं मिला है।
मैं बहुत निराश हूँ क्योंकि इस समय परिस्थिति काफी बदल चुकी है और मेरे लिए पार्सल की सामग्री आवश्यक है। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप शीघ्रता से इस मामले का समाधान करें और मुझे मेरा पार्सल जल्द से जल्द पहुँचाएँ।
धन्यवाद,
मिलिंद

15.

ठंडा मतलब------------? कोका कोला

कोका कोला पीजिए
जिन्दगी का आनन्द लीजिए।
"बच्चों, जवान व बूढ़ों को भाये।
गर्मी भगायें।"

अथवा

बधाई संदेश

दिनांक: 3/XX/20XX
समय: प्रातः 9 बजे
प्रिय मित्र
वृक्षों पर सजती नए पत्तों की बहार, हरियाली से महकता प्रकृति का व्यवहार ऐसा सजता है गुड़ी का त्यौहार, मौसम ही कर देता नववर्ष का सत्कार गुड़ी पड़वा के इस पवन अवसर पर तुम्हें और तुम्हारे पूरे परिवार को मेरी तरफ से ढेर सारी बधाई। मैं कामना करता हूँ कि नववर्ष का नया सूरज तुम्हारे जीवन में नए रंग और बहार लेकर आए।
तुम्हारा मित्र
रोहन